

26/6
25

पत्रावली वेद्य है। उभय पक्ष उभय। नाना विधि
 फीज इरीवार से बाध्य सब प्रकृत विद्या। उभय पक्ष
 शालिन पत्रावली से है। उभय पक्ष से उभय पक्ष
 विधि जाय गद्या इरीव इरीवार इरीवार विचार
 से जानी है। विस्तार विधि ह्युत से विचारण ज्ञान
 शालिन पत्रावली विद्या गद्या पत्रावली से सब विद्या
 गयी जाकर गद्य से विद्या विचार वाद कालिन विधि
 विचार से जानी है

25/2/00

